क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 02 अंक: 63, गुरुवार, 28 मार्च, 2019, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

ममता ने जारी किया चुनाव घोषण पत्र, नोटबंदी की जांच,योजना आयोग होगा बहाल

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने बुधवार को वादा किया कि लोकसभा चुनावों के बाद अगर विपक्षी गठबंधन सत्ता में आया तो नोटबंदी की जांच कराई जाएगी और योजना आयोग को बहाल किया जाएगा। ममता ने अपनी पार्टी के चुनावी घोषणापत्र को जारी करते हुए कहा कि 100 दिनों के काम की योजना को बढ़ाकर 200 दिनों का किया जाएगा और इसके तहत मजदूरी भी दोगुनी की जाएगी। उन्होंने कहा,'हम नोटबंदी के फैसले की जांच कराएंगे और योजना आयोग को वापस लाएंगे। नीति आयोग की कोई उपयोगिता नहीं है।' उन्होंने कहा,'हम मौजूदा जीएसटी की समीक्षा करेंगे। अगर इससे वास्तव में लोगों को मदद मिल रही है तो हम इसे बनाए रखेंगे।' ममता ने बीएसएफ के पूर्व महानिदेशक के के शर्मा को लोकसभा चुनाव के दौरान पश्चिम बंगाल और झारखंड का विशेष पुलिस पर्यवेक्षक नियुक्त करने पर भी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा,'एक अवकाश प्राप्त पुलिस अधिकारी किस प्रकार पुलिसकर्मियों की तैनाती पर गौर कर सकता है? महानिदेशक के तौर पर अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने आरएसएस के एक कार्यक्रम में भाग लिया और वह भी वर्दी में।'

चरणों में लागू होगी न्याय स्कीम, 5 करोड़ परिवारों को मिलेगा लाभः चिदंबरम

चेन्नई । कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने बुधवार को कहा कि कांग्रेस की न्यूनतम आय योजना (न्याय) को चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा और पांच करोड़ परिवारों को धीरे-धीरे इसके दायरे में लाया जाएगा। चिदंबरम ने यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि हमने आय योजना को लेकर अर्थशास्त्रियों और विशेषज्ञों के साथ पर्याप्त विचार - विमर्श किया है। उन्होंने सहमति जताई है कि भारत के पास इस योजना को लागू करने की क्षमता है। उन्होंने कहा कि इस योजना के लिए आवंटन सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 1.8 प्रतिशत के बराबर रहने की उम्मीद है। पूर्व वित्त मंत्री ने कहा कि रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन का मानना है कि इस योजना को लागू करना संभव है। चिदंबरम ने कहा कि यह योजना चरणबद्ध तरीके से लागू की जाएगी और हम कई चरणों में पांच करोड़ परिवारों को इससे जोड़ेंगे। उन्होंने कहा कि योजना के क्रियान्वयन से पहले जमीनी स्तर पर इसका परीक्षण किया जाना है। चिदंबरम ने कहा कि न्याय योजना को लागू करने के लिए विशेषज्ञों की एक समिति गठित की जाएगी और हम अगले चरण में जाने से पहले समिति के साथ विचार - विमर्श करेंगे। उन्होंने कहा कि पांच करोड़ परिवारों की पहचान करने के लिए पर्याप्त आंकड़े हैं।

अंतरिक्ष महाशक्ति बना भारत

चौथा अंतरिक्ष महाशक्ति बना भारत, 3 मिनट में वैज्ञानिकों ने रचा इतिहासःमोदी

नई दिल्ली।

भारत ने दुश्मन के उपग्रह को अंतरिक्ष में ही मार गिराने की क्षमता हासिल कर दुनिया की चौथी अंतरिक्ष महाशक्ति के रूप में अपना नाम दर्ज करा लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को राष्ट्र के नाम संबोधन में बताया कि महज तीन मिनट में 'मिशन शक्ति' को अंजाम दिया गया और एक लाइव उपग्रह को अंतरिक्ष में ही मार गिराया गया। अमेरिका, रूस और चीन के बाद यह कारनामा करने वाला भारत दुनिया का चौथा देश बन गया है। उन्होंने कहा कि यह परीक्षण कर भारत ने किसी भी अंतर्राष्ट्रीय कानून या संधि का उल्लंघन नहीं किया है, बल्कि यह देश के विकास के लिए रक्षात्मक पहल है। प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया कि भारत हमेशा से अंतरिक्ष में हथियारों की होड़ के खिलाफ रहा है।

'मिशन शक्ति' था एक अत्यंत कठिन ऑपरेशन

मोदी ने बताया कि अब कुछ समय पहले अंतरिक्ष में 300 किलोमीटर दूर 'लो अर्थ ऑर्बिट' (पृथ्वी की निचली कक्षा) में एक सजीव उपग्रह को स्वदेशी एंटी सैटेलाइट मिसाइल यानी उपग्रह मारक प्रक्षेपास्त्र (एसैट) से सफलतापूर्वक मार गिराया गया। यह उपग्रह एक पूर्व निर्धारित लक्ष्य था। उन्होंने कहा कि 'मिशन शक्ति' एक अत्यंत कठिन ऑपरेशन था जिसके लिए अत्यंत कठिन एवं बहुत उच्च कोटि की तकनीकी क्षमता की जरूरत थी। इस मिशन ने सभी निर्धारित लक्ष्यों एवं उद्देश्यों को पूरा किया। 'मिशन शक्ति' की सफलता के लिए प्रधानमंत्री ने रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के वैज्ञानिकों, अनुसंधानकर्ताओं और अन्य संबंधित कर्मचारियों को बहुत-बहुत बधाई देते हुए कहा कि उन्होंने असाधारण सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया है जिससे देश का मान बढ़ा है। हमें इन वैज्ञानिकों पर गर्व है। एसैट मिसाइल डीआरडीओ ने विकसित किया है।

उपग्रह बन गया है हमारे जीवन शैली का अभिन्न हिस्सा

मोदी ने कहा कि उपग्रह हमारे जीवन शैली का अभिन्न हिस्सा बन गया है और विभिन्न उद्देश्यों के लिए हमारे पास पर्याप्त उपग्रह हैं। अलग-अलग क्षेत्रों के विकास में इनका महत्वपूर्ण योगदान है। इन क्षेत्रों में कृषि, रक्षा, सुरक्षा, संचार, मौसम आंकलन, टीवी प्रसारण, शिक्षा, चिकित्सा आदि शामिल हैं। उन्होंने कहा कि भविष्य में पूरे विश्व में उपग्रह का महत्त्व बढ़ता ही जाएगा जिसके कारण इसकी सुरक्षा भी महत्त्वपूर्ण हो गयी है। एसैट मिसाइल देश की सुरक्षा और विकास यात्रा को मजबूती देगा। प्रधानमंत्री ने वैश्विक समुदाय का आश्वस्त किया कि यह किसी के विरुद्ध नहीं, केवल भारत का रक्षात्मक पहल है।

अंतरिक्ष में हथियारों की होड़ के खिलाफ रहा है भारत

मोदी ने कहा कि भारत हमेशा से अंतरिक्ष में हथियारों की होड़ के खिलाफ रहा है। आज का यह परीक्षण किसी भी अंतर्राष्ट्रीय कानून या संधि का उल्लंघन नहीं करता है। यह देश के 130 करोड़ नागरिकों की सुरक्षा और कल्याण के लिए है। उन्होंने कहा कि देश का सामरिक उद्देश्य शांति बनाये रखना है, न कि युद्ध का माहौल बनाना।

उन्होंने कहा कि भविष्य की चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए हमें तैयारी करनी होगी और आधुनिक तकनीक को अपनाना ही होगा।

आडवाणी जी भाजपा के स्तंभ, उनका अपमान करना गलतः ममता बनर्जी

नेशनल डेस्क।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी को भाजपा के स्तंभों में से एक बताते हुए कहा है कि प्रत्याशियों की सूची में उन्हें स्थान नहीं देना दिग्गज नेता का एक अपमान है। तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ने कहा कि राजनीतिक दलों को अपने वरिष्ठ नेताओं की अनदेखी नहीं करनी चाहिए। ममता बनर्जी ने राज्य सचिवालय में संवाददाताओं से कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी जी, आडवाणी जी भाजपा के स्तंभ थे। आडवाणी जी एक वरिष्ठ व्यक्ति हैं और अब उन्हें कैसे दरकिनार किया जा सकता है। निश्चित रूप से यह उनका आडवाणी जी का अपमान है। भाजपा ने गुजरात में गांधीनगर लोकसभा सीट से पार्टी अध्यक्ष अमित शाह को मैदान में उतारा है और आडवाणी को टिकट नहीं दिया है। 91 वर्षीय आडवाणी इस सीट से छह बार लोकसभा चुनाव जीत चुके हैं। ममता ने कहा कि मुझे आडवाणी जी के लिए बहुत दुख हो रहा है। यह उनका आखिरी मौका हो सकता है। वास्तव में आडवाणी जी उनके परामर्शदाता हैं। लेकिन जब वहां जरूरत नहीं है तो उनको (वरिष्ठ नेताओं को) भुला दिया गया। लेकिन चीज जितनी पुरानी होती है, उतनी अच्छी होती है। यह मेरा निजी तौर पर मानना है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हे इस बात का भी दुख है कि भाजपा ने पूर्व केंद्रीय मंत्री अनंत कुमार की पत्नी को बेंगलुरू साउथ लोकसभा सीट से टिकट नहीं दिया। चुनाव से ठीक पहले प्रधानमंत्री की बायोपिक ''पीएम नरेंद्र मोदी'' की रिलीज के बारे में ममता ने कहा कि अगर कोई ऐसी फिल्म बनाना चाहे तो बना सकता है लेकिन चुनाव से पहले अगर इसे रिलीज किया जाए तो इसका उद्देश्य बेहद साफ है।

मिशन शक्ति की घोषणा आचार संहिता का उल्लंघन

कोलकाता । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को घोषित किया कि भारत उपग्रह-भेदी क्षमता हासिल करने वाला चौथा देश बन गया है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मोदी की इस घोषणा को आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करा दिया है। बनर्जी ने ट्वीट किया, की घोषणा प्रधानमंत्री मोदी द्वारा एक और असीमित ड्रामा और प्रचार है। वह चुनाव के वक्त राजनीतिक लाभ लेने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। यह आदर्श आचार संहिता का घोर उल्लंघन है। घोषणा को चुनाव से पहले एक राजनीतिक स्टंट करार देते हुए उन्होंने लिखा, एक सरकार, जिसका कार्यकाल समाप्त होने वाला है, उसे किसी मिशन के बारे में घोषणा करने की कोई जल्दी नहीं होनी चाहिए। यह भाजपा की डूबती नैया को बचाने के लिए ऑक्सीजन की तत्काल जरूरत जैसा प्रतीत होता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह निर्वाचन आयोग में शिकायत दर्ज कराएंगी।उनके मुताबिक, वैज्ञानिक इसके श्रेय के हकदार हैं और हमेशा की तरह प्रधानमंत्री ने मिशन शक्ति की सफलता का श्रेय ले लिया। बनर्जी ने कहा, ÷शोध, अंतरिक्ष प्रबंधन और विकास निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। मोदी ने हर बार की तरह सभी चीजों का श्रेय ले लिया। श्रेय उनको दिया जाना चाहिए, जो उसके हकदार हैं हमारे वैज्ञानिक और शोधकर्ता। राष्ट्र के शानदार वैज्ञानिकों की सराहना करते हुए उन्होंने लिखा, भारत का मिशन कार्यक्रम कई-कई वर्षों से शानदार रहा है। हमें हमारे वैज्ञानिकों, डीआरडीओ इंडिया, अन्य शोध व अंतरिक्ष संगठनों पर हमेशा गर्व रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि केवल अमेरिका, रूस और चीन के पास अभी तक यह तकनीक थी और भारत इस क्लब में शामिल होने वाला चौथा राष्ट्र है।

पश्चिम बंगालः भाजपा के लिए लोकसभा चुनाव होगा 'सेमीफाइनल' मुकाबला

नेशनल डेस्क। भाजपा 2019 का आम चुनाव भले ही केन्द्र में दूसरी बार सरकार बनाने के लक्ष्य से लड़ रही है लेकिन पश्चिम बंगाल में पार्टी के लिए लोक चुनाव 2021 विधानसभा चुनाव में मजबूत प्रतिद्वंद्वी ममता बनर्जी से मुकाबला करने के पहले 'सेमीफाइनल मैच' की तरह है। विडम्बना यह है कि भारतीय जन संघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी की भूमि होने के बावजूद पार्टी 2014 के लोकसभा चुनाव से पहले राज्य में मजबूत ताकत नहीं थी। 2014 के चुनाव में पार्टी को 17 प्रतिशत वोट और दो सीटें मिली थीं। भाजपा ने पिछले साल के पंचायत चुनाव में कांग्रेस और वाम मोर्चा को पीछे छोड़ दिया था। पार्टी को उम्मीद है कि उसे राज्य में सत्ता विरोधी लहर का फायदा मिलेगा। उसने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री पर ''तुष्टिकरण की राजनीति'' का आरोप लगाया है। ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस ने माकपा की अगुवाई वाले वाम मोर्चा को 34 साल तक सत्ता में बने रहने के बाद 2011 में उखाड़ फेंका था। कांग्रेस और माकपा में गुटबाजी ने भाजपा को राज्य में एक आक्रामक विपक्षी दल के रूप में उभरने में मदद की। पार्टी का कहना है कि उसका अब कूचबिहार, अलीपुरद्वार, रायगंज, बलूरघाट, दक्षिण मालदा और मुर्शीदाबाद, कृष्णानगर, राणाघाट, बसीरहाट, बैरकपुर, आसनसोल, पुरूलिया, झारग्राम, बांकुरा और मिदनापुर जैसी संसदीय सीटों पर तृणमूल के साथ सीधा मुकाबला है। राज्य भाजपा प्रमुख दिलीप घोष ने कहा कि भाजपा के मुख्य विकल्प के रूप में उभरने का महत्वपूर्ण कारण सीमावर्ती क्षेत्रों की तेजी से बदलती जनसांख्यिकी और घुसपैठ के कारण राज्य के विभिन्न हिस्सों में लगातार सांप्रदायिक दंगे होना है।

बीजेपी

इन बड़े फैसलों से पूरे देश को चौंका चुके हैं मोदी

नई दिल्ली।

साल 2014 में बीजेपी की भारी जीत और बीजेपी नेता नरेंद्र मोदी का प्रधानमंत्री बनना अपने आप में एक ऐतिहासिक घटना थी। इसके बाद पीएम मोदी ने कई ऐसे कदम भी उठाए जो ऐतिहासिक तो कहे ही जा सकते हैं, चौंकाने वाले भी हैं। पीएम मोदी ने कई ऐसे कदम उठाए जिससे देश ही नहीं, पूरी दुनिया चौक गई। पिछले पांच साल के कार्यकाल में पीएम मोदी ने ऐसे कई फैसले लिए हैं जिनकी भनक न तो विपक्ष को लगी, न ही सत्तापक्ष के नेताओं, उनके किसी मंत्री या मीडिया को। सामान्य वर्ग के लिए 10 फीसदी का आरक्षण ऐसा ही एक चौंकाने वाला कदम है। आइए जानते हैं, पीएम मोदी के ऐसे ही 5 बड़े कदमों के बारे में...

1. राफेल सौदा

वायु सेना की जरूरत पूरा करने के लिए विमान सौदा करने का प्रयास यूपीए सरकार में ही शुरू हुआ था। साल 2012 में राफेल को एल-1 बिडर घोषित किया गया और इसके मैन्युफैक्चरर दसॉ ए विएशन के साथ कॉन्ट्रैक्ट पर बातचीत शुरू हुई। लेकिन यूपीए सरकार के दौरान इस पर समझौता नहीं हो पाया, क्योंकि खासकर टेक्नोलॉजी ट्रांसफर के मामले में दोनों पक्षों में गतिरोध बन गया था। साल 2014 में जब नरेंद्र मोदी सरकार बनी तो उसने इस दिशा में फिर से प्रयास शुरू किया। इस मामले में पीएम मोदी ने देश को चौंका दिया। पीएम मोदी ने साल 2015 में फ्रांस यात्रा के दौरान यह घोषणा की कि राफेल डील पक्की हो गई है। उनकी इस यात्रा के दौरान ही भारत और फ्रांस के बीच इस विमान की खरीद को लेकर समझौता किया गया। इस समझौते में भारत ने जल्द से जल्द 36 राफेल फ्लाइ-अवे यानी उड़ान के लिए तैयार विमान हासिल करने की बात कही।

2. सर्जिकल स्ट्राइक

28-29 सितंबर 2016 की रात में भारतीय सेना ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में स्थित आतंकवादी लांच पैड्स पर सर्जिकल स्ट्राइक कर दुनिया को चौंका दिया। 29 सितंबर को दिन में तत्कालीन डीजीएमओ लेफ्टिनेंट जनरल रणबीर सिंह ने आनन-फानन में बुलाए गए संवाददाता सम्मेलन में की। उन्होंने कहा कि भारत ने नियंत्रण रेखा के पार स्थित आतंकी शिविरों पर सर्जिकल हमले किए जिनमें आतंकवादियों को भारी नुक्सान पहुंचा है और अनेक आतंकवादी मारे गए हैं।

3. नोटबंदी

8 नवंबर, 2016 का ऐतिहासिक दिन देश में शायद ही किसी को भूला हो। इस तारीख को रात 8 बजे पीएम मोदी टीवी पर आए और अचानक उन्होंने घोषित कर दी कि उसी दिन रात 12 बजे से 500 और 1000 के नोट बंद कर दिए । उनकी इस घोषणा से पूरा देश सन्न रह गया। इस बारे किसी को भी जानकरी नहीं थी कि मोदी क्या घोषणा करने वाले हैं।

4. जीएसटी

जीएसटी का मतलब है एक राष्ट्र, एक टैक्स। इस नए टैक्स सिस्टम में सभी वस्तुओं के अलग-अलग टैक्स नहीं देना होगा और पूरे देश में एक ही टैक्स व्यवस्था लागू की गई है। यह साल 1991 के बाद से अर्थव्यवस्था के उदारीकरण के बाद ये वित्तीय क्षेत्र में सुधार को लेकर सबसे बड़ा कदम है, जिसे लागू करने के लिए पिछली सरकार प्रयासरत थी। मोदी सरकार ने 1 जुलाई, 2017 को सामान और सेवा (जीएसटी) संसद के सेंट्रल हॉल में आधी रात को संसद के विशेष सत्र में शुरू किया।

5. सामान्य वर्ग आरक्षण

मोदी सरकार का देश का सबसे हालिया चौंकाने वाला कदम है सामान्य वर्ग को मिला आरक्षण। सरकार ने 7 जनवरी को बड़ा फैसला करते हुए सामान्य वर्ग के गरीब लोगों के लिए सरकारी नौकरियों और शिक्षण संस्थानों में दस फीसदी आरक्षण देने का फैसला किया।

मोदी सरकार की स्मार्ट सिटी योजना फ्लॉप, काशी को भी नहीं मिला पैसा : कांग्रेस

नई दिल्ली।

कांग्रेस ने केन्द्र सरकार की महत्वाकांक्षी स्मार्टसिटी परियोजना को अपर्याप्त राशि जारी किए जाने के कारण 'फ्लॉप' बताते हुए कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने संसदीय क्षेत्र काशी को भी स्मार्ट सिटी बनाने के लिए महज आठ प्रतिशत राशि जारी की है। कांग्रेस के प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने बुधवार को सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत प्राप्त जानकारी के आधार पर कहा कि देश में 100 स्मार्ट शहर बनाने की इस योजना पर मोदी सरकार ने पांच साल में मात्र सात प्रतिशत राशि जारी की है। इस हिसाब से इस परियोजना को पूरा होने में 52 साल लगेंगे। सुरजेवाला ने प्रधानमंत्री मोदी पर अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी के साथ भी इस योजना में न्याय नहीं कर पाने का आरोप लगाते हुए कहा, 'काशी को क्योटो बनाने का दावा करने वाले मोदी जी ने वाराणसी स्मार्ट सिटी मिशन के लिए महज 8.63 प्रतिशत राशि जारी कर काशी का हक छीना है।' सुरजेवाला ने आरटीआई में आवास एवं शहरी विकास मामलों के मंत्रालय से मिली जानकारी के आधार पर कहा कि स्मार्ट सिटी मिशन को लेकर सरकार की वित्तीय उपेक्षा के कारण इस योजना ने पांच साल में दम तोड़ दिया। उन्होंने कहा कि इस योजना के लिए सरकार को 2.7 लाख करोड़ रुपए से अधिक राशि जारी करनी थी लेकिन सिर्फ सात प्रतिशत राशि (14882 करोड़ रुपए) ही जारी की गई। सुरजेवाला ने कहा कि सरकार को खुद स्मार्ट सिटी परियोजना की मौजूदा स्थिति की जानकारी नहीं है। मंत्रालय ने अपने जवाब में खुद यह स्वीकार किया है। उन्होंने कहा कि काशी के अलावा दिल्ली, मुंबई, गाजियाबाद सहित तमाम प्रमुख शहरों के साथ सरकार ने इस योजना में अन्याय किया। दिल्ली को लगभग दो हजार करोड़ रुपए की जगह मात्र 196 करोड़ रुपए मिले।

जम्मू एवं कश्मीर में जल्द विधानसभा चुनाव चाहती है भाजपा : राम माधव

श्रीनगर ।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय महासचिव राम माधव ने बुधवार को कहा कि पार्टी जम्मू एवं कश्मीर में जल्द विधानसभा चुनाव चाहती है। उन्होंने मीडिया से कहा, नेशनल कांफ्रेंस (एनसी) व पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) लोकसभा चुनाव लड़कर खुश हैं, जबकि भाजपा राज्य में विधानसभा चुनाव चाहती है। उन्होंने कहा, हमने चुनाव समिति से जल्द से जल्द राज्य में विधानसभा चुनाव आयोजित करने को कहा है। राम माधव ने कहा, कुछ उम्मीदवार पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगा रहे हैं, जबकि अन्य अपनी पार्टी के लोगों को मुजाहिद्दीन बुला रहे हैं। हम अकबर लोन के खिलाफ प्राथिमिकी दर्ज करने की मांग करते हैं और एनसी से जवाब चाहते हैं। भाजपा द्वारा पीडीपी के साथ सत्तारूढ़ गठबंधन से राष्ट्रीय हित में अलग होने की बात कहते हुए उन्होंने कहा, हमारे गठबंधन से निकलने के बाद कश्मीर के हालत में सुधार हुआ है। माधव ने कहा कि भाजपा का धारा 370 व 35ए पर रुख अपरिवर्तित है। एनसी और कांग्रेस के चुनाव पूर्व गठबंधन को नाटक बताते हुए उन्होंने कहा, उनका जम्मू में गठबंधन है, लेकिन वे कश्मीर में लड़ रहे हैं। वे भाजपा व मोदी के खिलाफ कई तरह की चालें चलने की कोशिश कर रहे हैं, उन्हें ऐसा करने दीजिए।

संपादकीय

सपनों की राजनीति

इंदिरा गांधी के गरीबी हटाओ नारे के लगभग पांच दशक बाद यदि फिर गरीबी हटाने के सपने दिखाये जा रहे हैं तो सत्ताधीशों की कारगुजारियों पर स्वत- ही प्रश्न चिन्ह लगता है। नि-संदेह गरीब को गरीब बनाये रखने में वोटों की राजनीति की अहम भूमिका रही है। उसे अपने पैरों पर खड़ा कर उद्यमी बनाने के बजाय उसे वोटों के लिये खैरात बांटने का सिलसिला जारी है। पिछले दिनों राजग सरकार ने किसानों के आक्रोश के बीच उनके खातों में सालाना छह हजार डालने का उपक्रम किया। वह भी चुनावी वर्ष के दौरान। अब उसी तर्ज पर कांग्रेस नयी पैकेजिंग में चमकदार उपहार लाई है कि देश के बीस फीसदी गरीबों के खाते में हर माह छह हजार रुपये आएंगे। कहीं इसका हश्र भी अच्छे दिन और खाते में पंद्रह लाख आने के जुमले की तरह न हो। सवाल यह है कि जब केंद्र सरकार पहले ही तीन लाख चौंतीस हजार करोड़ रुपये सब्सिडी पर खर्च कर रही है तो कांग्रेस की इस योजना के लिये तीन लाख साठ हजार करोड़ कहां से लाये जायेंगे? यह राशि देश के सालाना बजट का 13 फीसदी है और जीडीपी के हिसाब से दो प्रतिशत। देश में पहले ही केंद्र सरकार 35 तरह की सब्सिडियां देती है। तो क्या कांग्रेस इनको खत्म करके एकमुश्त रकम गरीबों के खाते में डालने की योजना बना रही है। वास्तव में यह सब्सिडी सिर्फ गरीबों को ही नहीं, समाज के विभिन्न वर्गों- कमजोर तबकों को दी जा रही है। क्या वे सब्सिडी बंद करना स्वीकार करेंगे? दूसरा उपाय है कि टैक्स बढ़ाए जाएं और पैसा उधार लिया जाये। क्या अर्थव्यवस्था इस तरह के बोझ को उठाने में सक्षम है? फिर इस पैसे की तरलता से अर्थव्यवस्था में जो मुद्रास्फीति बढ़ेगी, उसकी मार देश का हर तबका झेलेगा। क्या राजनीतिक रूप से कांग्रेस इसका मुकाबला कर पायेगी? या फिर इसे कांग्रेस का विशुद्ध राजनीतिक दांव माना जाये? जैसा कि संप्रग ने मनरेगा के रथ पर सवार होकर दूसरी पारी खेली थी? या फिर इसे विपक्ष के उस आरोप के रूप में देखा जाये कि सत्ता में वापसी की कम उम्मीद के बीच जनता से चांद-तारे तोड़ लाने के वायदे कर दो। जैसे भाजपा ने भी अच्छे दिनों व पंद्रह लाख के वायदे करते समय सोचा था। अभी तो कांग्रेस ने इसका शिगूफा छोड़ा है। जब इसका अर्थशास्त्र सामने आएगा तब इसकी सार्थकता पर चर्चा हो सकेगी। यह योजना सरकारी खर्चे पर बड़ा बोझ डालेगी। और 'अजगर करे न चाकरी और पंछी करे न काज' की तर्ज पर एक बड़े तबके को अकर्मण्य बनायेगी।

जैसा कि संप्रग ने मनरेगा के रथ पर सवार होकर दूसरी पारी खेली थी? या फिर इसे विपक्ष के उस आरोप के रूप में देखा जाये कि सत्ता में वापसी की कम उम्मीद के बीच जनता से चांद-तारे तोड़ लाने के वायदे कर दो। जैसे भाजपा ने भी अच्छे दिनों व पंद्रह लाख के वायदे करते समय सोचा था।

राहुल ने बनाई बढ़त या..

न्यूनतम गारंटी स्कीम/ कु. नरेन्द्र सिंह

विगत में इनसे निपटने के जितने भी उपाय किए गए हैं, वे कुल मिलाकर विफल ही साबित हुए हैं। राहुल गांधी के इस साहस की सराहना करनी होगी कि बढ़ती असमानता और बेरोजगारी को लगाम लगाने के लिए वह लीक से हटकर एक नये विचार का प्रयोग करने के लिए तैयार हैं, जो प्रत्येक वंचित लोगों और परिवारों को एक गरिमापूर्ण जिंदगी की गारंटी देता है। इस तय से कोई इनकार नहीं कर सकता कि भारत में बेरोजगारी की दर भयावह स्थिति तक जा पहुंची है।

क्रांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी की इस घोषणा के बाद चुनावी चर्चा में एक नया आयाम जुड़ गया है कि यदि चुनाव बाद कांग्रेस सत्ता में आएगी तो वह हर गरीब को न्यूनतम आय की गारंटी देगी। स्थिति यह है कि राजनीतिक दलों से लेकर समाचार चैनलों तक इसकी चर्चा गर्म है। जहां भारतीय जनता पार्टी इसके विरोध में अपनी आवाज बुलंद कर रही है, वहीं अनेक विद्वान और चिंतक इसे समय की मांग बता रहे हैं। राहुल गांधी की इस घोषणा ने पहले के सारे चुनावी आख्यानों को पीछे धकेल दिया है। ''चौकीदार चोर है' और ''मैं भी चौकीदार हूं' से लेकर राष्ट्रवाद और पुलवामा आतंकवादी घटना के साथ-साथ पाकिस्तानी आतंकवादियों के खिलाफ हवाई हमले तक कि पृष्ठभूमि में पहुंचते नजर आने लगे हैं। बताया जा रहा है कि राहुल गांधी का यह नया वादा देश के लिए अनेक गंभीर संकट लेकर आएगा और कि यह केवल चुनावी जुमला है, जिसे जमीनी हकीकत में बदलना संभव नहीं हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि राहुल गांधी का न्यूनतम आय गारंटी का वादा एक चुनावी कवायद है, लेकिन केवल इसीलिए यह महत्वहीन नहीं हो जाता। वास्तव में ऐसी योजना समय की मांग है। पिछले कुछ वर्षो से दुनिया के अनेक देश बढ़ती असमानता और मशीन द्वारा पैदा की जा रही बेरोजगारी से निपटने के लिए आय पुनर्वितरण के विचार के साथ प्रयोग कर रहे हैं। भारत में भी बढ़ती असमानता और बेरोजगारी की समस्या गंभीर रूप से विद्यमान हैं। विगत में इनसे निपटने के जितने भी उपाय किए गए हैं, वे कुल मिलाकर विफल ही साबित हुए हैं। राहुल गांधी के इस साहस की सराहना करनी होगी कि बढ़ती असमानता और बेरोजगारी को लगाम लगाने के लिए वह लीक से हटकर एक नये विचार का प्रयोग करने के लिए तैयार हैं, जो प्रत्येक वंचित लोगों और परिवारों को एक गरिमापूर्ण जिंदगी की गारंटी देता है। इस तय से कोई इनकार नहीं कर सकता कि भारत में बेरोजगारी की दर भयावह स्थिति तक जा पहुंची है। केंद्र की मोदी सरकार ने तो बेरोजगारी के आंकड़ों को प्रकाशित करना ही बंद कर दिया है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन ने 2018 की अपनी रिपोर्ट में साफ कहा है कि 2016 से भारत की बेरोजगारी प्रति वर्ष 3.5 प्रतिशत की दर से बढ़ती जा रही है और फिलहाल देश में बेरोजगारों की संख्या लगभग तीन करोड़ पहुंच चुकी है। इसके अलावा, अन्य सर्वेक्षण बेरोजगारों की संख्या को और भी ज्यादा बता रहे हैं। केवल 2018 में एक करोड़ दस लाख लोगों के रोजगार छिन गए। स्थिति यह है कि हर साल एक करोड़ 30 लाख युवा श्रमिक बनने को मजबूर हैं यानी वे किसी तरह भूख से अपनी मौत को बचा रहे हैं। इसी तरह असमानता भी लगातार बढ़ती जा रही है। प्रसिद्ध फ्रांसीसी अर्थशास्त्री थॉमस पिकेटी ने 2017 में किए गए अपने अध्ययन में बताया है कि ब्रिटिश औपनिवेशिक काल से लेकर इतिहास के किसी भी दौर में भारत में इतनी असमानता कभी नहीं रही। स्थिति यह है कि आज देश के 22 प्रतिशत आय पर केवल एक प्रतिशत लोगों का कब्जा है। इसी तरह देश का 79 प्रतिशत धन एक प्रतिशत लोगों की जेब में पहुंच चुका है। कहने की आवश्यकता नहीं कि यदि एक प्रतिशत धनवानों और बाकी देश के बीच यह घृणित असमानता जारी रहती है, तो देश की सामाजिक और लोकतांत्रिक संरचना पूरी तरह ध्वस्त हो जाएगी। जाहिर है कि आज एक ऐसी व्यवस्था बनाने की जरूरत आन पड़ी है, जहां इस भयावह बेरोजगारी और बढ़ती असमानता को रोका जा सके। राहुल गांधी की न्यूनतम आय गारंटी योजना को गलत समझने वाले तर्क दे रहे हैं कि इतना धन आएगा कहां से? ऊपरी तौर पर यह सवाल बड़ा महत्वपूर्ण लगता है, लेकिन जब हम देश की अन्य आर्थिक परिघटनाओं पर नजर डालते हैं तो उनका सवाल अप्रासंगिक हो उठता है। सरकार और रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया हर साल कॉरपोरेट लोन डिफॉल्टर्स के लाखों करोड़ रु पये माफ कर देती है यानी एनपीए में डाल देती है। अभी हाल ही में सरकार ने ऐसे डिफॉल्टर्स के 41 हजार करोड़ रुपये माफ कर दिए हैं। इसके अलावा, बजट में भी कॉरपोरेट टैक्स के नाम पर उन्हें रियायत दी जाती है। रिजर्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार 2016-17 और 2017-18 में क्रमशः 108,500 करोड़ और 162,700 करोड़ रु पये एनपीए खाते में डाल दिए गए। इसी तरह 2016-17 में 86,154 करोड़ रुपये और 2017-18 में 85,026 करोड़ रुपये के कॉरपोरेट टैक्स की छूट दे दी गई। इन आंकड़ों से स्पष्ट हो जाता है कि न्यूनतम आय गारंटी योजना का वित्तपोषण करना कोई कठिन नहीं होगा। इसके अलावा, अन्य तरीकों से भी धन जुटाया जा सकता है, जैसे संपत्ति कर, धन कर, विरासत टैक्स और छिपे करदाताओं पर टैक्स लगाकर इस योजना को अंजाम दिया जा सकता है। यहां इस बात का उल्लेख करना प्रासंगिक होगा कि भारत में न्यूनतम आय गारंटी योजना का प्रयोग किया जा चुका है। 2011-2012 के दौरान यूनिसेफ द्वारा पोषित यह योजना मध्य प्रदेश के 11 गांवों में चलायी गई थी। यह योजना 12 से 17 महीने के लिए चलाई गई थी और तब इसकी राशि 1200 रु पये तय की गई थी। इसके परिणाम भी सकारात्मक आए थे। राहल गांधी के न्यूनतम आय गारंटी ने इतना तो किया ही कि इसने वंचित आबादी को बहस के केंद्र में ला खड़ा किया। अब आगे जिस दल की भी सरकार बने, उसे वंचितों को केंद्र में रखना ही होगा और यह एक सकारात्मक कदम साबित होगा। भारत जैसे अत्यंत निर्धन देश में यह सरकार का उत्तरदायित्व है कि वह अपना ध्यान गरीबों पर केंद्रित करे। हमें यह भी नहीं भूलना चाहिए कि ऐसे कदम यूरोप और अमेरिका में भी उठाए गये हैं, जो भारत की तुलना में अधिक विकसित और धनी हैं। यह कार्यक्रम ब्राजील और नामीबिया में भी लागू है, जबकि दुनिया के अनेक जाने-माने अर्थशास्त्री समेत विश्व बैंक भी ऐसे कार्यक्रम का हिमायती है। वितरण की यह नई राजनीति है, जो देश के हित में है। इसमें नये ढंग के कल्याणकारी राज्य की अवधारणा है, जो अधिक रोजगार पैदा करने पर केंद्रित नहीं है, बल्कि नये और प्रभावशाली वितरण के उपायों से संबंधित है। दुनिया के देश इस सच्चाई को स्वीकार करने लगे हैं कि कुशल मजदूर परिदृश्य से लगातार गायब होते जा रहे हैं। दक्षिणी ध्रुव के देशों के लिए तो यह ज्यादा ही सच है। नया कल्याणकारी राज्य आवश्यकता से अधिक उत्पादन और बेरोजगारी को एक साथ मात देने का लक्ष्य रखता है और राहुल गांधी का की न्यूनतम आय गारंटी योजना उसी दिशा में उठाया गया एक कदम है। संक्षेप में कहें, तो यह आज के समय की मांग है, जिसे अनसुनी करना अपने पांव पर कुल्हाड़ी मारना है।

आज का राशीफल

मेष बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

वृषभ पारिवारिक व व्यावसायिक समस्याएं रहेंगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जारी प्रयास सफल होंगे। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। पिता या उच्चाधिकारी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कन्या जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि मिलेगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

तुला राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृश्चिक आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। प्रियजन भेंट संभव।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। जारी प्रयास सफल होंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

कुम्भ व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। अनावश्यक कर्ज़ों का सामना करना पड़ेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। नेत्र विकार की संभावना है। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। सृजनात्मक कार्यों में हिस्सा लेना पड़ सकता है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कार्यों में खर्च करना पड़ सकता है।

मिट्टी पलीत होने लगी है

- डॉ. दीपक आचार्य

हम सारे के सारे त्रिशंकु होते जा रहे हैं। सदियों से हमारे पुरखे और हम जिस जमीन से जुड़े हुए थे उससे भी दूर हो चले हैं। आसमान की ऊँचाई पाने के फेर में अब हम स्वाभिमान, संस्कार, संस्कृति और अपनी जमीन के सारे बंधनों के तोड़कर हवा में उड़ने लगे हैं। हालात यह हो गए हैं कि न हम आसमान के रहे हैं, न जमीं के। न घर के रहे हैं, न घाट के, और न ही बहती धाराओं के। कहीं हम अहंकारों में फूल कर एकान्तिक द्वीप होते जा रहे हैं और कहीं समानधर्मा लोगों के साथ मिलकर समूहों, गिराहों और गैंग के रूप में जमाने के सामने हैं। हमें ही पता नहीं कि हम क्या होते जा रहे हैं, क्या थे और क्या हो गए हैं। युगों से मर्यादाओं के पाशों से बंधी हुई हमारी सारी बुनियादें अब हिलती हुई नज़र आ रही हैं। और इसी का परिणाम है कि हम सारे के सारे लोग अपनी जड़ों और मिट्टी से कटते हुए हवाओं के भरोसे हो चले हैं, जिन हवाओं पर कभी भी आँख मींच कर कोई भरोसा नहीं कर सकता। न ये हवाएं भरोसे काबिल हैं, न ये जमाना। जो अब भी जमीन से जुड़े हुए हैं वे अपने आपका वजूद मजबूत पक्का मान सकते हैं। जिन लोगों ने मिट्टी से बगावत कर ली है उनके बारे में कभी कुछ नहीं कहा जा सकता है। जो अपनी माटी की सौंधी गंध पर फिदा रहते हैं उनकी कभी मिट्टी पलीत नहीं हो सकती। यह सौंधी गंध ही है जो उन्हें हमेशा अपनेपन का अहसास कराती है, आत्मीयता भरा सुकून देती है और मौलिक-नैसर्गिक स्नेहपूर्ण आँचल से कसकर बाँधे रखती है। इंसान ने जब तक अपने आपको प्रकृति और जीवन के मौलिक तत्वों से जोड़े रखा तब तक वह आनंद के अतिरेक और उल्लास में नहाता रहा, आनंद भाव में रमण करता हुआ अपने आपको सर्वोच्च ऊँचाइयों तक ले जाता रहा और जमीन से लेकर आसमान तक में परचम लहराता रहा। जब से उसने प्रकृति और नैसर्गिकताओं का आँचल त्याग दिया है तभी से वह न अपना रहा, न प्रकृति का। उसकी स्थिति बड़ी ही विचित्र होती जा रही है। आम इंसान की जिन्दगी का मूलाधार था - सादा जीवन, उच्च विचार। दोनों ही मामलों में हम असफल साबित हुए हैं। न सादा जीवन रहा है, न विचारों में उच्चता रह गई है। अब इसका उल्टा हो रहा है। हम सभी का जीवन आरामतलबी, भोगी-विलासी, खर्चीला और फैशनी हो गया है और विचारों के मामले में हम सारी संवेदनाएं, सामाजिक सरोकार और मानवीयता छोड़कर संकीर्णताओं को अपना चुके हैं। और संकुचित मानसिकता भी इतनी कि इसने अति संकुचन का पैमाना पकड़ लिया है जहाँ हमारे सिवा और किसी के लिए कहीं कोई स्थान नहीं है। न हृदय में है, न दिमाग में, और न ही और कहीं। जहाँ सादगी नहीं, जहाँ विचारों में श्रेष्ठता नहीं वहाँ न कोई समाज तरक्की कर सकता है, न कोई जाति, न देश। जहाँ सादगी छूटी वहीं से आम आदमी के तनावों, अभावों, पीड़ाओं का जन्म हो गया। हम सारे के सारे दूसरों को दिखाने भर के लिए सब कुछ कर रहे हैं। कोई भी अपनी हैसियत या आने वाले कल का ध्यान नहीं रख रहा। इस मामले में हमने नकलची बन्दर-भालुओं को भी काफी पीछे छोड़ दिया है। सबको लगता है कि दूसरों के मुकाबले हमारा लोक व्यवहार अच्छा हो, भले ही इसमें पाखण्ड, आडम्बर, भ्रष्टाचार, बेईमानी और अनैतिक रास्तों से पाए धन का इस्तेमाल क्यों न करना पड़े। कर्ज लेकर भी हम अपने आपको श्रेष्ठ दर्शाने पर तुले हुए हैं। हममें से खूब सारे हैं जो किसी को मानें या न मानें किन्तु चार्वाक मत से इतने अधिक प्रभावित हैं कि जिन्दगी के हर पहलू में उनका अनुकरण करने लगे हैं। 'ऋणं कृत्वा घृतं पिबेत' की उक्ति को चरितार्थ करते हुए हम अब घी को छोड़कर दूसरे पेय द्रवों की ओर कूच करते जा रहे हैं। लोग सारा अनुकरण ऊपर वालों से करते हैं। लोगों की निगाह गंगोत्री से शुरू होती है और इसके बाद गंगासागर तक वही सब कुछ होता चला जाता है जो रास्ते में हर की पौड़ी में होता है या मीलों लम्बे किनारों पर। असल में अब वे लोग रहे ही नहीं जिनसे हम सादगी और विचारों की श्रेष्ठता सीख पाएं, उनका अनुकरण कर पाएं। अब लगता है विदेशी कल्चर में रमी हुई फसलें ही पैदा होने लगी हैं जिनमें कहीं से भी भारतीयता का बोध नहीं होता। सादा जीवन-उच्च विचार अब केवल शब्दों में ही कैद होकर रह गया है। आज की तरह इनका पराभव यों ही चलता रहा तो आने वाली पीढ़ियाँ इन शब्दों का अर्थ भी समझ नहीं पाएंगी। समाज और देश की सारी समस्याओं की जड़ कोई है तो वह यही है कि हमने सादा जीवन भी छोड़ दिया और उच्च विचार भी। अब जीवन भी हर तरह से प्रदूषित हो गया है और विचार भी स्वार्थ के मसालों और झूठ की भेंट चढ़ते जा रहे हैं। हर मामले में हमने इतना अधिक मूल्य बढ़ा दिया है कि एक आम गरीब इंसान तो इसकी कल्पना भी नहीं कर सकता। इस वजह से गरीब और अमीर के बीच की खाई इतनी बढ़ गई है कि अब समस्याओं, तनावों और संघर्षों के प्रपात की अट्टहास करती नीचे गिरती धाराएं ही इन्हें जोड़ पाती दिखाई दे रही हैं अन्यथा जमीन-आसमान का अंतर आ गया है। हमारे जीवन की आवश्यकताएं इतनी सीमित हैं कि उपलब्ध संसाधनों में हम अपना गुजारा आसानी से कर सकते हैं और दूसरों के लिए भी प्रबन्ध करने में हमें कहीं कोई समस्या नहीं आ सकती। लेकिन हमने आवश्यकताओं से अधिक का भण्डार करने की ऐसी कबाड़ी मानसिकता पैदा कर डाली है कि हम अपने नाम से, अपने लिए जमा तो खूब सारा कर रहे हैं लेकिन न हमारे काम पूरा आ पा रहा है, न औरों के काम। फिर कैसे मानव हैं हम, जिन्हें किसी की पड़ी ही नहीं है। कैसे हम अपने आपको सामाजिक कहला रहे हैं, पता नहीं, कौनसा युग आ गया है। एक बार फिर हम अपनी न्यूनतम आवश्यकताओं को देखें, उसके हिसाब से चलें, जीवन में सादगी लाएं, विचारों में श्रेष्ठता लाएं, तो कोई कारण नहीं कि सामाजिक समरसता के भावों के जागरण के साथ ही समाज और राष्ट्रनिर्माण में भी हम अपना योगदान न दे पाएं। हमें अपनी मानसिकता बदलने की जरूरत है, पाश्चात्यों का अंधानुकरण और दासत्व छोड़ें, अपने अतीत की ओर लौटें और पूर्वजों, महापुरुषों से प्रेरणा पाएं, फिर से अपनी संस्कृति, सभ्यता और परंपराओं की जड़ों से जोड़ें, अपने आप यह धरती स्वर्ग बन जाए। तथ्य तो यह है कि जिसके जीवन में सादा जीवन-उच्च विचार नहीं है, वह इंसान न होकर बहुरूपिया और पाखण्डी है। इंसान होने का ही अर्थ है मौलिकताओं से परिपूर्ण। और अब मौलिकताएं गायब हो चली हैं। उनका स्थान ले लिया है दिखावों, फिजूलखर्ची और परिग्रही स्वभाव ने। हम सारे नकलचियों में इतना भी साहस नहीं रहा है कि जो रीतियां, प्रथाएं, परंपराएं और आदतें हमारा पराभव करती हैं उनके खिलाफ मुखर होकर विरोध करें और समाज व परिवेश को नई दिशा-दृष्टि दें। इस मामले में हमसे बड़े कायर और पोंगापंथी और कोई नहीं हो सकते। यही आज के समाज की सबसे बड़ी विडम्बना है।

महंगाई और वंचितों की तादाद बढ़ाने वाली योजना

कन्हैया सिंह निदेशक, सेंटर फॉर ग्लोबल डेवलपमेंट रिसर्च

गरीबों के खाते में एक निश्चित रकम नियमित रूप से पहुंचे, इसका कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने जो वादा किया है, वह अपने आप में कोई नई चीज नहीं है। अगर हम केंद्र सरकार के 2016-17 के आर्थिक सर्वेक्षण को देखें, तो उसमें यह प्रस्ताव पहली बार आया था। यह प्रस्ताव उस समय के मुख्य आर्थिक सलाहकार अरविंद सुब्रमण्यम ने रखा था। उस समय इसका जो हिसाब-किताब किया गया, उसके अनुसार अगर ऐसी कोई योजना लागू होती है, तो उसका देश के सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी पर चार से पांच फीसदी तक असर पड़ेगा। यह भी कहा गया था कि इससे वित्तीय घाटा बढ़कर छह फीसदी तक पहुंच जाएगा। महंगाई की जिन आशंकाओं का जिक्र आज हो रहा है, वे आशंकाएं उस समय भी उभरी थीं। शायद इन्हीं सबको ध्यान में रखकर उस प्रस्ताव को वहीं छोड़ दिया गया। अर्थव्यवस्था पर इतना भारी दबाव बनाने की बजाय केंद्र सरकार ने एक दूसरा रास्ता चुना और पिछले बजट में किसान सम्मान निधि की घोषणा की गई। इसके तहत देश के 12 करोड़ किसान परिवारों को हर साल छह हजार रुपये की रकम दो-दो हजार रुपये की तीन किस्तों में दी जाएगी। इस योजना के तहत पहली किस्त किसानों के बैंक खातों में पहुंच भी गई है। विभिन्न सर्वेक्षणों से जो तथ्य सामने आ रहे हैं, वे यही बताते हैं कि इस योजना का सकारात्मक असर भी पड़ा है। राहुल गांधी ने जो चुनावी वादा किया है, वह एक तरह से इस असर का राजनीतिक प्रत्युत्तर है- छह हजार रुपये सालाना के मुकाबले छह हजार रुपये हर महीने। लेकिन पहली नजर में देखने से ऐसा नहीं लगता कि इस घोषणा से पहले इस पर बहुत ज्यादा सोचा गया है। देश में इस समय तकरीबन 25 करोड़ परिवार हैं, इनमें से वह देश के पांच करोड़ परिवारों यानी 20 फीसदी तक यह रकम पहुंचाना चाहते हैं। इस योजना के बारे में बताया गया है कि यह डायनेमिक होगी। डायनेमिक शब्द से उनका क्या अभिप्राय था, यह अभी ठीक से नहीं कहा जा सकता, लेकिन हमने इसका यही अर्थ लगाया है कि वह चाहते हैं कि हर परिवार की मासिक आमदनी कम से कम 12 हजार रुपये महीना हो। इसकी कमीबेशी सरकार पूरी करेगी। यानी अगर किसी की आमदनी छह हजार रुपये मासिक है, तो उसे छह हजार रुपये सरकार की ओर से मिलेंगे, और अगर उसकी आमदनी दस हजार रुपये महीना है, तो उसे सिर्फ दो हजार रुपये ही मिलेंगे, वगैरह। आर्थिक रूप से कमजोर तबकों की आमदनी कई कारणों से घटती-बढ़ती रहती है, इसलिए यह रकम भी घटती-बढ़ती रहेगी, यानी इसके लिए एक बड़ा डाटाबेस और निगरानी व्यवस्था बनानी होगी, जो बहुत कठिन काम है। इस तरह की योजना में भ्रष्टाचार की आशंकाएं भी काफी होंगी। इतनी बड़ी योजना का अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाला असर बहुत बड़ा होगा। जीडीपी और महंगाई पर इसका भारी दबाव पड़ेगा। एक बात यह कही जा रही है कि सभी तरह की सब्सिडी को खत्म करके यह योजना लागू की जाएगी, तो अर्थव्यवस्था पर ज्यादा दबाव नहीं पड़ेगा। सब्सिडी को खत्म करने का अर्थ होगा कि आप एक गरीब का पैसा लेकर दूसरे गरीब को दे रहे हैं। जिसे दे रहे हैं, उसका भी कितना भला होगा, यह नहीं कहा जा सकता। सार्वजनिक वितरण प्रणाली से दो रुपये किलो चावल खरीदने वाले को जब बाजार से 25 रुपये किलो चावल खरीदना पड़ेगा, तो छह हजार रुपये की सरकार से मिली आमदनी उसका कितना भला करेगी, यह नहीं कहा जा सकता। यह आमदनी तो आप सिर्फ पांच करोड़ परिवारों को दे रहे हैं, लेकिन सब्सिडी खत्म होने का असर सब पर पड़ेगा। किसान सम्मान निधि से लाभान्वित होने वाले परिवारों की संख्या 12 करोड़ है, जबकि राहुल गांधी की प्रस्तावित योजना पांच करोड़ परिवारों के लिए है, यानी यह योजना सात करोड़ परिवारों को तो वंचित बनाएगी ही। सारी सब्सिडी खत्म करना संभव नहीं होगा, अगर खत्म कर भी दी गई, तो भी वित्तीय घाटा तेजी से बढ़ेगा। इसका अर्थ होगा मुद्रास्फीति यानी महंगाई का बढ़ना। मुद्रास्फीति जीवन-यापन की लागत को तेजी से बढ़ाती है, और इसका सबसे पहला व सबसे बड़ा शिकार गरीब ही बनते हैं, जबकि दावा गरीबों को लाभ पहुंचाने का किया जाता है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

संक्षिप्त समाचार

आम्रपाली के खिलाफ धोनी पहुंचे सुप्रीम कोट , मांगे 40 करोड़ रुपये

स्पोर्ट्स डेस्क। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर आम्रपाली ग्रुप से 40 करोड़ रुपये दिलाने की मांग की है। धोनी ने अपनी याचिका में कहा कि 6 सालों तक वो आम्रपाली के ब्रॉन्ड एम्बेसडर रहे हैं। वही मार्केटिंग के चेहरे थे, कंपनी ने उनके साथ कई और करार भी किए थे लेकिन कंपनी ने उसका भुगतान नही किया। इस कंपनी के कई एड में दिखने वाले धोनी ने कोर्ट से कहा कि आम्रपाली समूह ने उनके साथ कई समझौते किए, लेकिन उनकी सेवाओं के लिए भुगतान नहीं किया। आम्रपाली समूह पर 38.95 करोड़ रुपये बकाया हैं, जिसमें से 22.53 करोड़ रुपये मूलधन हैं और 16.42 करोड़ रुपये ब्याज होगा, जिसकी गणना 18 फीसदी वार्षिक साधारण ब्याज के साथ की गई है। 2009 में धोनी ने आम्रपाली ग्रुप से कई समझौते किए और कंपनी के ब्रैंड एम्बेसडर बने। वह इस समूह के साथ छह साल तक जुड़े रहे, लेकिन साल 2016 में जब कंपनी पर खरीददारों को ठगने का आरोप लगा, तब उन्होंने आम्रपाली ग्रुप से खुद को अलग कर लिया। धोनी की पत्नी भी समूह के चैरिटी कार्यक्रम से जुडी थीं। आम्रपाली समूह पर शिकंजा कसते हुए सुप्रीम कोर्ट ने 28 फरवरी को इसके सीएमडी अनिल शर्मा और दो डायरेक्टर्स शिव प्रिय और अजय कुमार को पुलिस हिरासत में भेज दिया था।

पहली पारी में विकेट पर उम्मीद से ज्यादा टर्न था : धोनी

नई दिल्ली । चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मंगलवार को यहां आखिरी ओवर में मिली जीत के बाद कहा कि पहली पारी में विकेट पर उम्मीद से ज्यादा टर्न था। धोनी ने मेजबान टीम के खिलाफ 35 गेंदों पर 32 रनों की पारी खेली। मैच के बाद धोनी ने कहा, पहली पारी में विकेट उम्मीद से ज्यादा टर्न हुआ। दूसरी पारी में ओस के कारण बल्लेबाजों को थोड़ी आसानी हुई। गेंदबाजों ने विपक्षी टीम को 150 तक सीमित रखकर अच्छा कार्य किया। बल्लेबाजों को थोड़ी तेजी पंसद है ताकि गेंद अच्छे से बल्ले पर आए और जब ऐसा होता है तब हमारी टीम अधिक बेहतर नजर आती है। चेन्नई की फिल्डिंग पर हमेशा से सवाल खड़े होते रहे हैं और दिल्ली के खिलाफ भी मेहमान टीम ने कुछ मौके गंवाए। धोनी ने कहा, मैं नहीं समझता कि हम बहुत अच्छी फिल्डिंग करने वाली टीम होंगे और हमें यह मानना होगा, लेकिन हम सुरक्षित फिल्डिंग करने वाली टीम बन सकते हैं। हमें इस पर काम करना होगा। चेन्नई, हालांकि इस सीजन के पहले दो मुकाबलों में जीत दर्ज कर चुकी है, लेकिन इसके बावजूद धोनी का मानना है कि टीम को सुधार करने की आवश्यकता है। धोनी ने कहा, शुरुआत में नगीदी को खोना एक बड़ा झटका है क्योंकि वह सबसे तेज थे, लेकिन हमारे हर विभाग में प्यांस खिलाड़ी हैं। पिछले कुछ मैचों में हमारे गेंदबाजों ने डेथ ओवर नहीं डाले इसलिए कई ऐसे क्षेत्र हैं जहां हमें काम करने की आवश्यकता है।

टेनिस : मियामी ओपन में उलटफेर का शिकार हुए जोकोविक

मियामी । वर्ल्ड नंबर-1 सर्बिया के नोवाक जोकोविक को यहां मियामी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के चौथे दौर में उलटफेर का शिकार होना पड़ा है। बीबीसी के अनुसार, साल के पहले ग्रैंड स्लैम आस्ट्रेलियन ओपन में खिताबी जीत दर्ज करने वाले जोकोविक को स्पेन के रोबटेरे बॉटिस्टा अगुट ने 1-6, 7-5, 6-3 से शिकस्त दी। जोकोविक को इंडियन वेल्स के तीसरे दौर में भी उलटफेर का शिकार होना पड़ा था। छह बार मियामी ओपन का खिताब जीतने वाले जोकोविक ने अगुट के खिलाफ दमदार शुरुआत की और शानदार खेल दिखाया। उन्होंने पहला सेट आसानी से अपने नाम किया। जोकोविक ने दूसरे सेट में भी बेहतरीन सर्विस करते हुए बढ़त बनाई, लेकिन इस बार स्पेनिश खिलाड़ी वापसी करने में कामयाब रहा। तीसरे और निर्णायक सेट में अगुट फॉर्म में नजर आए और 6-3 से सेट जीतते हुए प्रतियोगिता में बड़ा उलटफेर किया। जोकोविक को जनवरी में कतर ओपन में भी अगुट के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था।

बैडमिंटनः एशियाई चैम्पियनशिप में खेलेंगे मोमोटा, लिन

वुहान। अगले महीने यहां होने वाली एशियाई बैडमिंटन चैम्पियनशिप में चीन, जापान, इंडोनेशिया और अन्य एशियाई देशों के शीर्ष खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। एशियाई बैडमिंटन चैम्पियनशिप चीन के वुहान में 23 से 28 अप्रैल तक आयोजित की जाएगी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, टूर्नामेंट के नियमों के तहत, पांच वर्गों पुरुष एकल, महिला युगल, पुरुष युगल, महिला युगल और मिश्रित युगल में शीर्ष 10 एशियाई खिलाड़ियों का खेलना अनिवार्य है। चैम्पियनशिप में चीन के लिन डेन, चेन लोंग और शी यूकी पुरुष एकल में खेलेंगे, जबकि वर्ल्ड नंबर वन जापान के केंटो मोमोटा इस वर्ग में अपना खिताब बचाने उतरेंगे। चीनी ताइपे के चाउ तिएन चेन और दक्षिण कोरिया के सुन वान-हो भी टूर्नामेंट में अपनी चुनौती पेश करेंगे। दक्षिण कोरिया के सुन वान-हो भी टूर्नामेंट में अपनी चुनौती पेश करेंगे। इंग्लैंड ओपन बैडमिंटन चैंपियनशिप में महिला एकल का स्वर्ण पदक जीतने वाली चेन युफेई हमवतन ही बिंगजियाओ और हान यू के साथ मिलकर चीन का प्रतिनिधित्व करेंगी। ये खिलाड़ी जापान की नोजोमी ओकुहारा और अकाने यामागुची, भारत की पीवी सिंधु और सायना नेहवाल, थाईलैंड की रत्चानोक इंतानोन और दक्षिण कोरिया की चेंग ची-ह्यून के खिलाफ मुकाबले में उतर सकती हैं।

शारजाह मास्टर्स शतरंज

शारजाह मास्टर्स शतरंज - अर्मेनिया के गेब्रियल को हराकर भारत के अभिजीत गुप्ता शीर्ष पर पहुंचे

शतरंज ।

शारजाह , यूएई (निकलेश जैन) में 31 देशो के 178 खिलाड़ियों के बीच दुनिया के सबसे विशाल शतरंज क्लब में एशिया के सबसे मजबूत प्रतियोगिताओं में से एक तीसरे शारजाह मास्टर्स इंटरनेशनल शतरंज चैंपियनशिप के 5 वे राउंड में भारत के अभिजीत गुप्ता नें अर्मेनिअन दिग्गज गेब्रियल सरगिससियन को पराजित करते हुए सयुंक्त बढ़त में अपना स्थान बना लिया है इस जीत के साथ अभिजीत के अब 4.5 अंक हो गए है और वह रूस के एर्नेस्टो इनरकेव , चीन के हाउ वांग और भारत के संदेपन चंदा को हारने वाले ईरान के वर्तमान विश्व जूनियर चैंम्पियन परहम मघसूदलू के साथ सयुंक्त बढ़त पर आ गए है ।

राउंड 6 में वह अब रूस के एर्नेस्टो से मुकाबला खेलेंगे जबकि परहम को चीन के हाउ वांग से टकराना होगा । अन्य भारतीय खिलाड़ियों में आज भारत के नन्हें खिलाड़ी आदित्य मित्तल नें अर्जेन्टीना के एलोन पीचोट को ड्रॉ पर रोका , निहाल सरीन नें उज्बेकिस्तान की शीर्ष महिला खिलाड़ी टोखिर्जोनेवा को मात देते हुए कल की हार से उबरकर अच्छी वापसी की ।

आरआर लक्ष्मण को उज्बेक प्रतिभा नोदिरबेक के हाथो पराजय का समाना करना पड़ा । विघ्नेश एनआर और दीपन चक्रवर्ती नें भी अपने अपने मुकाबले जीते । 5 राउंड के बाद भारतीय खिलाड़ियों में अभिजीत गुप्ता 4.5 अंक , निहाल सरीन , दीपन चक्रवर्ती ,निहाल सरीन और रौनक साधवानी 4 अंक पर खेल रहे है । 5 राउंड के बाद भारतीय खिलाड़ियों में अभिजीत गुप्ता 4.5 अंक , निहाल सरीन , दीपन चक्रवर्ती ,निहाल सरीन और रौनक साधवानी 4 अंक पर खेल रहे है ।

इंडिया ओपन : उलटफेर कर प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंची अश्विनी और सिक्की की जोड़ी

नई दिल्ली ।

अश्विनी पोनप्पा और एन सिक्की रेड्डी की भारत की स्टार जोड़ी ने इंडिया ओपन 2019 के पहले दौर में उलटफेर करते हुए महिला युगल के प्री क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की। दुनिया की 23वें नंबर की भारतीय जोड़ी ने इंदिरा गांधी स्टेडियम के केडी जाधव इंडोर हाल में पहले दौर में ली वेनमेई और झेंग यू की चीन की छठी वरीय जोड़ी को कड़े मुकाबले में सीधे गेम में 47 मिनट में 22-20 21-19 से हराया। सिक्की ने मैच के बाद कहा- कोच ने हमें कहा कि नेट आकर खेलों क्योंकि विरोधी जोड़ी नेट पर मजबूत नहीं हैं। हमने ऐसा किया और हमने इसका फायदा मिला। अश्विनी ने नेट पर अच्छा खेल दिखाकर उन पर दबाव बनाया। अश्विनी ने नेट पर अच्छा खेल दिखाकर उन पर दबाव बनाया। अश्विनी ने कहा- हमने कुछ गलतियां की और उन्हें वापसी करने का मौका दिया जिससे दूसरे गेम में उन्होंने 17-17 के स्कोर पर बराबरी हासिल कर ली। हम कोचों के साथ मिलकर इस पर काम कर रहे हैं। पुरुष युगल में कपिल चौधरी और शुभम यादव ने भास्कर चक्रवर्ती और गौरव देसवाल की हमवतन भारतीय जोड़ी को 21-12 15-21 21-16 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया लेकिन अर्जुन एम आर और रामचंद्र श्लोक को हुआंग काइशियांग और वेंग जिकांग की चीन की जोड़ी के खिलाफ 16-21 18-21 से हार का सामना करना पड़ा। पुरुष युगल में विक्रम चवात और प्रेम सिंह चौहान, केतन चहल और सड्क्षतदर मलिक, प्रिंस चतुर्वेदी और तुषार शर्मा की जोड़ी को भी हार का सामना करना पड़ा।

12वीं एशियाई एयरगन चैंपियनशिप में मनु भाकर-सौरभ चौधरी की जोड़ी ने बनाया विश्व रिकार्ड

नई दिल्ली।

भारतीय निशानेबाज मनु भाकर की और सौरभ चौधरी की जोड़ी ने ताइपै के ताओयुआन में चल रही 12वीं एशियाई एयरगन चैंपियनशिप में बुधवार को दस मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम में क्वालीफिकेशन में नया विश्व रिकार्ड बनाया और बाद में इस स्पर्धा का स्वर्ण पदक भी जीता। इन दोनों ने इससे ठीक एक महीने पहले दिल्ली में इसी स्पर्धा में आईएसएसएफ विश्व कप में सोने का तमगा जीता था। क्वालीफिकेशन में 17 वर्षीय मनु और 16 वर्षीय सौरभ ने मिलकर 784 अंक बनाये तथा रूस की वितालिना बातसरासकिना और आर्तम चेर्नोसोव के पांच दिन पहले यूरोपीय चैंपियनशिप में बनाये गये रिकार्ड को तोड़ा। इस भारतीय जोड़ी ने पांच टीमों के फाइनल में 484.8 अंक के साथ पहला स्थान हासिल करके स्वर्ण पदक अपने नाम किया। कोरिया की ह्वांग सियोनगुन और किम मोज की जोड़ी ने 481.1 अंक लेकर रजत और ताइपै की चिया यग और कोउ कुआन ड्क्षतग ने 413.3 अंक के साथ कांस्य पदक हासिल किया। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) के बयान के अनुसार इस स्पर्धा में भाग ले रही दूसरी भारतीय जोड़ी अनुराधा और अभिषेक वर्मा ने भी फाइनल्स में जगह बनायी लेकिन उन्हें 372.1 अंक के साथ चौथे स्थान से संतोष करना पड़ा।

मैसी फैंस के लिए खुशखबरी, जल्द कोपा अमेरिका में खेलते दिखेंगे

तांगियर। स्टार फुटबालर लियोनल मैसी भले ही वर्तमान में अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए उपलब्ध न हों लेकिन अर्जेंटीना फुटबॉल टीम के कोच ने उनके इस वर्ष कोपा अमेरिका टूर्नामेंट में खेलने का भरोसा जताया है। अर्जेंटीना के मुख्य कोच लियोनल स्कालोनी ने इसकी पुष्टि की है। मैसी आठ महीने के बाद राष्ट्रीय टीम में लौटे थे और गत शुक्रवार को वेनेजुएला के खिलाफ अर्जेंटीना के दोस्ताना मैच में टीम का हिस्सा थे। स्कालोनी ने कहा, 'हमने कोपा अमेरिका के लिए अपना 80 फीसदी संयोजन तैयार कर लिया है और अभी टीम में तीन या चार खिलाड़ी बाहर हैं। मैसी वेनेजुएला के खिलाफ मैच में थे और उन्होंने मैच को पूरा समाप्त किया। हम मैच के बारे में बात कर सकते हैं भविष्य की नहीं। लेकिन यह साफ है कि वह कोपा अमेरिका में खेलेंगे। कोपा अमेरिका ब्राजील की मेजबानी में 14 जून से सात जुलाई तक होना है। अर्जेंटीना को ग्रुप बी में कोलंबिया, पराग्वे और कतर के साथ रखा गया है। हालांकि कोच ने माना कि उनकी टीम मैसी पर ही निर्भर नहीं रह सकती है। उन्होंने कहा,'हम जानते हैं कि कुछ भी हो सकता है और हमें इसके लिए मेहनत करनी होगी।' स्कालोनी को गत वर्ष रूस में हुये विश्वकप के बाद जॉर्ज साम्पोली की जगह अर्जेंटीना का कोच बनाया गया था।

महिला हॉकी

मलेशिया दौरे के लिए भारतीय टीम की घोषणा, सविता होंगी कप्तान

नई दिल्ली ।

हॉकी इंडिया ने 4 अप्रैल से शुरू होने वाले मलेशिया दौरे के लिए बुधवार को भारत की 18 सदस्यीय महिला हॉकी टीम की घोषणा की। भारतीय टीम मलेशिया के साथ कुआलालम्पुर में पांच मैचों की सीरीज खेलेगी। इस आठ दिवसीय दौर पर गोलकीपर सविता भारतीय टीम की कप्तान होंगी जबकि दीप ग्रेस एक्का को उप-कप्तान चुना गया है। सविता के साथ रजनी एतिमरपु को टीम में गोलकीपर के रूप चुना गया है। डिफेंस में एक्का के साथ सुशीला चानू और सुनीता लाकरा जैसी अनुभवी खिलाड़ियों को जगह दी है। टीम के मुख्य कोच शुअर्ड मरिने ने कहा, स्पेन दौरे के बाद हम जिन चीजों में सुधार करना चाहते थे, उनमें से एक थी हमारी वन ऑन वन डिफेंडिंग और गेंद को इंटरसेप्ट करने के बाद गोल करने के अधिक मौके बनाना। ये दो प्रमुख क्षेत्र हैं जिन पर हम मलेशिया में ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं और हम खिलाड़ियों की व्यक्तिगत स्थिरता पर काम कर रहे हैं। रानी रामपाल और नमिता टोपो जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के टीम में न होने पर मरिने ने कहा, यह युवा खिलाड़ियों के लिए बेहतरीन अवसर है। इससे, उन्हें अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का मौका मिलता है और चयन के समय हमारे पास अधिक खिलाड़ी उपलब्ध होते हैं। इस दौर के लिए अनुभवी मिडफील्डर मोनिका की भी टीम में वापसी हुई है। वह चोट के कारण टीम से बाहर थीं।

टीम :

गोलकीपर : सविता और रजनी एतिमरपु।

डिफेंडर : सलीमा टेटे, सुनीता लकरा, दीप ग्रेस एक्का, रीना खोखर, रश्मिता मिंज और सुशीला चानू पुखरंबम।

मिडफील्डर : मोनिका, करिश्मा यादव, निक्की प्रधान, नेहा गोयल और लिलिमा मिंज।

फारवर्ड : ज्योति, वंदना कटारिया, लालरेमसियामी, नवजोत कौर और नवनीत कौर।

आईपीएल का अनुभव विश्व कप में काम आएगाः फर्ग्यूसन

कोलकाता। वर्कलोड मैनेजमेंट के बारे में ज्यादा न सोचते हुए न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन ने मंगलवार को कहा कि वह इंग्लैंड में होने वाले आगामी विश्व कप से पहले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अनुभव हासिल करना चाहते हैं। कोलकाता नाइट राइडर्स ने फर्ग्यूसन को लीग के 12वें संस्करण के लिए मिशेल स्टार्क की जगह टीम में शामिल किया है। फर्ग्यूसन ने बुधवार को किंग्स इलेवन पंजाब के साथ होने वाले मैच की पूर्वसंध्या पर संवाददाता सम्मेलन में कहा, यह दुनिया की सबसे बड़ी प्रतियोगिताओं में से एक है। भारी संख्या में मौजूद दर्शकों के सामने और दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के खिलाफ खेलने से आपको जो अनुभव मिलेगा, वह आपके करियर को आगे ले जाने में मदद करेगा। फर्ग्यूसन 2017 में राइजिंग पुणे सुपरजाएंट टीम का हिस्सा थे। 2018 के नीलामी में वह अनसोल्ड रहे थे। उन्होंने कहा, कुछ महीनों में विश्व कप है। लेकिन इस समय मैं कोलकाता की टीम पर ध्यान केंद्रित कर रहा हूं और उसकी जीत में योगदान देने की कोशिश कर रहा हूं।

आईपीएल-12 : बेंगलोर, मुंबई की नजरें पहली जीत पर

बेंगलुरू ।

अपने पहले मैच में करारी शिकस्त झेलने के बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर और मुंबई इंडियंस की टीमें गुरुवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 12वें संस्करण में यहां एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में होने वाले मैच में अपनी पहली जीत दर्ज करने उतरेंगी। अनुभवी तेज गेंदबाज लसिथ मलिंगा की मुंबई इंडियंस में वापसी होने के बाद टीम को मजबूती मिली हैं। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) ने हाल ही में कहा था कि विश्व कप में खेलने के लिए श्रीलंका के खिलाड़ियों को अपने घरेलू प्रांतीय टूर्नामेंट में खेलना आवश्यक होगा। इसके बाद मलिंगा ने मुंबई के लिए शुरुआती छह मैचों से हटने का फैसला किया था। लेकिन, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने श्रीलंकाई बोर्ड से आग्रह किया था कि वह मलिंगा को मुंबई के लिए जितना हो सके, उतना मैच खेलने की इजाजत दे और अब श्रीलंकाई बोर्ड ने भारतीय बोर्ड के अनुरोध को स्वीकार कर लिया है। मुंबई को अपने पहले मैच में दिल्ली कैपिटल्स के हाथों 37 रन से करारी हार झेलनी पड़ी थी। दिल्ली के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने 27 गेंदों पर 78 रन की नाबाद पारी खेलकर मुंबई को से मैच से बाहर कर दिया था। कप्तान रोहित शर्मा चाहेंगे कि उनके गेंदबाज पिछले प्रदर्शन को पीछे छोड़कर अपनी लय हासिल करें और टीम को शुरुआती सफलता दिलाएं। बल्लेबाजी में युवराज सिंह ने पहले मैच में 53 रन की पारी खेली थी। युवराज के अलावा बाकी बल्लेबाज कुछ खास नहीं कर सके थे और उन्हें फॉर्म में लौटना होगा। दूसरी तरफ मेजबान बेंगलोर को भी अपने पहले मैच में शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा था। टीम चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ अपने पहले मैच में मात्र 70 रन ही ढेर हो गई थी जो कि आईपीएल के इतिहास में छठा न्यूनतम स्कोर है। इसके बाद चेन्नई ने सात विकेट से मैच जीत लिया था। बेंगलोर टीम प्रबंधन सही से परिस्थितियों को पढ़ नहीं पाया। इसके अलावा उनके बल्लेबाजों ने भी खराब शॉट खेलकर अपने विकेट गंवाए। केवल पार्थिव पटेल (29) ही एकमात्र ऐसे बल्लेबाज थे जो दहाई तक पहुंचे थे। कप्तान कोहली ने छह और अब्राहम डिविलियर्स ने नौ रन बनाए थे। बेंगलोर को जसप्रीत बुमराह, मिशेल मैक्लेनेगन और बेन कटिंग की गेंदबाजी आक्रमण से सावधान रहना होगा। टीमें : रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर :विराट कोहली (कप्तान), अब्राहम डिविलियर्स, पार्थिव पटेल (विकेटकीपर), मार्कस स्टोयनिस, शिमरोन हेटमेयर, शिवम दूबे, नाथन कुल्टर-नाइल, वाशिंगटन सुंदर, उमेश यादव, युजवेंद्र चहल, मोहम्मद सिराज, हेनरिक क्लासेन , मोइन अली, कोलिन डी ग्रैंडहोम, पवन नेगी, टिम साउदी, अक्षदीप नाथ, मिलिंद कुमार, देवदत्त पडिक्कल, गुरकीरत सिंह, प्रार्थना रे बर्मन, कुलवंत केजरोलिया, नवदीप सैनी, हिम्मत सिंह। मुंबई इंडियंस : रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पांड्या, युवराज सिंह, कृणाल पांड्या, इशान किशन (विकेटकीपर), सूर्यकुमार यादव, मयंक मारकंडे, राहुल चहर, अनुकृति रॉय, सिद्धेश लाड, आदित्य तारे, क्विंटन डीकॉक, एविन लुईस, कीरोन पोलार्ड, बेन कटिंग, मिशेल मैकक्लेनेघन, एडम मिल्ने, जेसन बेहरेनडॉर्फ, अनमोलप्रीत सिंह।

मतदान केन्द्र से 200 मीटर तक होगी चुस्त कानून व्यवस्था

सूरत। सूरत शहर के सहायक पुलिस कमिश्नर पी.एल.चौधरी ने आगामी लोकसभा चुनाव को देखते हुए एक घोषणापत्र जारी किया है। जिसमें 23 अप्रैल के दिन मतदाता शांतिपूर्वक मतदान कर सकें इसलिए मतदान केन्द्र से 200 मीटर के विस्तार में कानून और व्यवस्था बनी रहे ऐसी व्यवस्था की गई है। मतदान के दिन सभी राजनीतिक पक्षों, उम्मीदवारों, चुनाव एजेंन्टों, कार्यकर्ताओं या समर्थकों को तय नियमों का पालन करना होगा। जिसमें चुनाव के मतदान केन्द्र से 200 मीटर विस्तार में मतदाताओं को मतदान सूची का क्रम नंबर निकाल कर देने अथवा रिसीप्ट देने के लिए कैम्प नहीं तैयार कर सकते हैं। मतदान केन्द्र पर एक से अधिक मतदान केन्द्र हो इसके बावजूद भी प्रत्येक मतादान केन्द्रों पर 200 मीटर दूर मात्र एक कैम्प लगाया जा सकेगा।

अपनी पंसद के नंबरों के लिए ऑनलाइन निलामी

सूरत। सूरत के पाल स्थित आरटीओ द्वारा मोटरिंग पब्लिक वाहनों के जीजे जीरो फाइव एस एक्स सिरीज के 1 से 9999 के लिए अपनी पसंद के नंबरों की ऑनलाइन निलामी की जाएगी। ओनलाइन निलामी की अर्जी 1 अपैल 2019 से 4 अप्रैल 2019 के दौरान कर सकते हैं। ओनलाइन फोर्म भरकर रजिस्ट्रेशन कर चयनीत नंबर पाने के इच्छुक वाहन मालिक भाग ले सकते हैं। निलामी की बिडिंग 4 अप्रैल 2019 को दोपहर 2 बजे से 5 अप्रैल को दोपहर 2 बजे तक ओपन होगी।

अर्जी कर्ता को सात दिनों में ऑनलाइन सीएनए फॉर्म सबमिट करना होगा। यदि यह फॉर्म पेश नहीं किया हो तो नंबर मुहैया नहीं करवाया जाएगा। वाहन के सेल लेटर में सेल तारीख से 60 दिन के भीतर ही अर्जी कर्ता निलामी में भाग ले सकते हैं। 8 अप्रैल 2019 को दोपहर 2 बजे तक फॉर्म जमा करवाना होगा। आरटीओ अधिकारी द्वारा बताया गया है कि समय मर्यादा के बाद की अर्जी रद्द की जाएगी।

चुनाव को लेकर सहायक पुलिस कमिश्नर ने जारी किया घोषणापत्र

सार्वजनिक एवं निजी संपत्तियों का नुकसान करनेवालों के खिलाफ होगी कार्यवाही

सूरत। आगामी लोकसभा चुनाव 2019 में चुनाव की आदर्श आचार संहिता के प्रावधानों का अमल करने और लोगों की स पत्तियों को नुकशान न पहुंचाने के हेतु से शहर के सहायक पुलिस कमिश्नर पी.एल.चौधरी ने एक घोषणापत्र जारी किया है। घोषणापत्र के अनुसार शहर विस्तार में किसी भी राजनीतिक पक्षों, उम्मीदवारों या उनके कार्यकर्ताओं द्वारा सार्वजनिक अथवा निजी स पत्ति, जमीन, दीवार या क पाउन्ड का अधिकारिक व्यक्ति अथवा मालिक की स्विकृति के बिना चुनावलक्षी प्रचार के लिए नुकसान नहीं पहुंचाया जाना चाहिए। सार्वजनिक अथवा निजी मकानों की दीवारों पर सूत्र लिखना, पोस्टर चिपकाना और अन्य प्रचार सामग्री चिपकाना जैसे कृत्यों के लिए स्थानीय नियमों का चुस्तरूप से पालन करना होगा। एक राजनीतिक पक्ष द्वारा आयोजित की गई सभा में दूसरे पक्ष के लोग अपने पक्ष के साहित्य का वितरण कर खलल नहीं पहुंचा सकते हैं। इसके अलावा एक पक्ष द्वारा लगाए गए पोस्टर को दूसरे पक्ष के कायकर्ता अथवा समर्थक नहीं निकाल सकते हैं। इस घोषणापत्र का 12 मई 2019 तक अमल करना होगा। इस आदेश का अनादर अथवा भंग करने वालों के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी।

लिंबायत में एम्ब्रॉयडरी कारखानों से लाखों की चोरी

सूरत। लिंबायत इलाके स्थित नारायण नगर में एम्ब्रॉयडरी के खाते में चोरों द्वारा नगद 85 हजार समेत 1.10 लाख की चोरी की गई।

भटार में आशीर्वाद पैलेस में रहनेवाला विपीनभाई ताराचंद उमरावचंद अग्रवाल लिंबायत नारायण नगर-1 खाता नं. 9, 10,11 में एम्ब्रॉयडरी का खाता चलाते हैं। गत रोज रात को खाता बंद था वहीं अज्ञात चोर ने खाते के पीछे की खिड़की को ब्लेड से काटकर तथा एक लोहे की छीणी से लोहे की पट्टी तोड़कर खिड़की से खाते में प्रवेश किया। चोरों ने खाते में अकाउण्ट की ऑफिस से एक एसर कंपनी का लैपटॉप, 40 ईंच का एलईडी टी.वी., हार्ड डिस्क, कम्प्यूटर मॉनीटर और काले रंग की बैग से नगद 85000 समेत 1,10,500 रुपए के सामान की चोरी कर ली। जिससे आखिर में विपीनभाई ने लिंबायत पुलिस थाने में शिकायत दर्ज करवाई।

सूरत। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के फोटो वाली साड़ी बनाई गई है। मोदी के फोटो वाली टीसर्ट पहन कर काम करते मिलेनियम मार्केट रिंग रोड़ के कारीगर।

शहर पुलिस कमिशनर द्वारा अध्यादेश जारी

शोरूम या मॉल में छेड़छाड़ होगा तो लाइसेंस रद्द, जुर्माना लगेगा

क्रॉसवर्ड पुस्तकालय, अहमदाबाद वन मॉल में महिला के साथ हुई छेड़छाड़ की घटनाओं के बाद निर्णय किया

अहमदाबाद,२७ मार्च।

शहर में शॉपिंग के लिए मॉल और शो रूम कल्चर के बीच छेड़छाड़ की घटनाओं होने से पुलिस ने सूचना जारी कर दिया है। विशेष करके शॉपिंग मॉल्स और शो रूम सहित के स्थलों पर महिला या युवतियों के साथ छेड़छाड़ को रोकने के लिए ट्रायल रूम, वॉशरूम या किसी भी स्थल पर अभद्र इशारा रोकने की जिम्मेदारी संचालक की रहेगी यह अध्यादेश जारी किया गया है। इतना ही नहीं अब, मॉल या शो रूम में छेड़छाड़ होगा या मॉल में महिला गार्ड नहीं होगा तो मॉल का लाइसेंस रद्द किया जाएगा या ५० हजार रुपये तक जुर्माना लगाया जाएगा यह अध्यादेश शहर पुलिस कमिशनर द्वारा जारी किया गया है। शहर पुलिस कमिशनर के इस अध्यादेश की वजह से शहर के विभिन्न शॉपिंग मॉल्स और शो रूम संचालकों में काफी दहशत फैल गई। जारी किया गया है। फिलहाल में क्रॉसवर्ड पुस्तकालय और अहमदाबाद

वन मॉल में महिला -युवतियों के साथ हुई छेड़छाड़ की घटनाओं के बाद पुलिस प्रशासन का द्वारा निर्णय लिया गया है, जिसकी कड़ी प्रतिक्रिया सामने आ रही है।

पुलिस के इस प्रकार के निर्णय को लेकर शॉपिंग मॉल्स और शो रूम संचालकों में नाराजगी और दहशत फैल गई। अहमदाबाद शहर पुलिस कमिशनर एके. सींध द्वारा जारी किए गए अध्यादेश के अनुसार, वर्क प्लेस पर छेड़छाड़ की घटना में वहां काम करती महिला ही नहीं लेकिन यह स्थल की मुलाकात लेती महिलाएं भी शामिल हैं। इसी वजह से कानून अनुसार, महिलाओं को सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी संबंधित मॉल शॉप, ऑफिस या शो रूम के संचालक की होगी।

२३ अप्रैल को एक ही चरण में मतदान

गुजरात चुनाव के लिए आज अध्यादेश जारी कर दिया जाएगा

लोकसभा की २६ सीटों के लिए नामांकन फॉर्म भरने की प्रक्रया शुरू होगी : भाजपा और कांग्रेस में उत्साहित

अहमदाबाद । लोकसभा चुनाव सात चरण में आयोजित किया जाएगा जिसमें से गुजरात में लोकसभा की सभी २६ सीटों के लिए २३ अप्रैल को मतदान आयोजित किया जाएगा । २८ मार्च को अध्यादेश जारी होने के साथ ही गुजरात में राज नीतिक हलचल तेज हो गई । गुजरात में लोकसभा की २६ सीट के लिए भाजपा ने अपनी अधिकतर सीटों के लिए उम्मीदवार एलान कर दिए हैं । गांधीनगर सीट से इस बार भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी की ज गह पर पार्टी अध्यक्ष अमित शाह मैदान में है । गुरुवार को राज्यपाल ओपी कोहली द्वारा अध्यादेश जारी करने के बाद नामांकन फॉर्म भरने की प्रक्रिया शुरू होगी । यह प्रक्रिया ४ अप्रैल तक चलेगी । इसके बाद उम्मीदवारी वापस लेने की तारीख ८ अप्रैल होगी । उम्मीदवारी वापस लेने की अंतिम तारीख ४ अप्रैल होगी । जांचने के साथ पांच अप्रैल रहेगी ।

उम्मीदवारी वापस लेने की अंतिम तारीख ८ अप्रैल होगी । सभी २६ सीट पर मतदान आयोजित किया जाएगा । लोकसभा चुनाव सात चरण में आयोजित किया जाएगा तब तीसरे चरण में गुजरात में चुनाव आयोजित किया जाएगा । चुनाव आयोग ने १० मार्च को लोकसभा के चुनावी कार्यक्रम की घोषणा कर दी ।

देशभर में कुल सात चरण चुनाव आयोजित किया जाएगा । इस बार यह काम कम चरण होने के बावजूद भी निर्धारित समय में पूरा किया जाएगा । चुनाव आयोग को ऐसी दहशत सता रही है कि, गुज रात में चुनाव के दौरान मनी पावर का उपयोग हो सकता है । यह संभावना को खत्म करने के लिए चुनाव आयोग ने कई कदम उठाये है । फ्लाइंग टीमें भी लगाये जाएगी । चेकपोस्ट पर जांच शुरू की जा रही है । गुजरात में भाजपा और कांग्रेस के बीच सीधी स्पर्धा होगी ।

गुजरात में २६ सीटों पर मत गिनती को लेकर सभी कदम उठाये जा रहे है । गुज रात में इतनी रकम की हेरफेर व्यापारियों और आंगडिया तथा अन्य के लिए सामान्य होने से इस बार कैसा रवैया अपनाया जाएगा । गुजरात में चुनाव को लेकर राजनीतिक हलचल तेज हो गई ।

गुजरात चुनाव कार्यक्रम

अहमदाबाद । लोकसभा चुनाव के लिए कार्यक्रम की घोषणा करने के बाद गुरुवार को अध्यादेश जारी किया जाएगा । गुज रात में चुनाव कार्यक्रम नीचे के अनुसार है ।

अध्यादेश जारी किया जाएगा	२८ मार्च
नामांकन फॉर्म भरने की अंतिम तारीख	४ अप्रैल
उम्मीदवारी की जांचने की तारीख	५ अप्रैल
उम्मीदवारी वापस लेने की अंतिम तारीख	८ अप्रैल
मतदान की तारीख	२३ अप्रैल
मत गिनती की तारीख	२३ मई

भाजपा ने गुजरात के तीन उम्मीदवारों का ऐलान किया

अहमदाबाद। भाजपा ने लोकसभा चुनाव के लिए तीन और उम्मीदवारों का ऐलान किया है। इसी के साथ गुजरात में भाजपा के 19 उ मीदवारों के नामों की घोषणा की जा चुकी है। भाजपा ने आज पोरबंदर, बनासकांठा और पंचमहल लोकसभा सीट पर उम्मीदवारों की घोषणा की है और तीन सीटों पर नए चेहरे को मैदान में उतारा है। सौराष्ट्र की पोरबंदर सीट से मौजूदा सांसद विट्ठल रादडिया की तबियत नादुरुस्त होने की वजह से वह पहले ही चुनाव लड़ने से इंकार कर चुके हैं। इसलिए पोरबंदर सीट से भाजपा ने रमेश धडुक को उ मीदवार बनाया है। वहीं उत्तर गुजरात की बनासकांठा सीट से केन्द्रीय मंत्री हरिभाई चौधरी के बजाए परबत पटेल को टिकट दिया है। परबत बटेल गुजरात सरकार में जलापूर्ति मंत्री हैं। हरिभाई चौधरी का टिकट कटना पहले से तय था। वहीं मध्य गुजरात के पंचमहल लोकसभा सीट से भाजपा ने रतनसिंह राठौड़ को चुनाव मैदान में उतारा है। पंचमहल सीट के मौजूदा सांसद प्रभातसिंह चौहाण के स्थान पर रतनसिंह राठौड़ को मौका दिया गया है।

तटरक्षक बल-मरीन टास्कफोर्स द्वारा गिरफ्तार

पोरंबदर के समुद्र से ५०० करोड़ की ड्रग्स कंसाइनमेन्ट का पर्दाफाश

पाकिस्तान से हमीद मलिक नाम के ड्रग माफिया ने यह कंसाइनमेन्ट भेजे जाने की जानकारी सामने आई हैं

अहमदाबाद । भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे तनाव के बीच गुजरात सहित देश की चारों तरफ सीमाओं पर सख्त बंदोबस्त किया गया है, बुधवार को पोरंबदर के समुद्र में गुजरात एटीएस तथा तटरक्षक बल और मरीन टास्कफोर्स की टीम ने संयुक्त ऑपरेशन शुरू करके ५०० करोड़ रुपये की ड्रग्स कंसाइनमेन्ट का पर्दाफाश करके नौ ईरानी आरोपियों को गिरफ्तार करने से खलबली मच गई । पाकिस्तान से हमीद मलिक नाम के ड्रग माफिया ने यह कंसाइनमेन्ट भेजे जाने की चौंकाने वाली जानकारी सामने आने पर सुरक्षा एजेंसिया सक्रिय हो गई है । सुरक्षा एजेंसियों ने अब ड्रग्स के बड़े कंसाइनमेन्ट को लेकर इसके नेटवर्क और इसकी डिलीवरी कहां करने की थी यह सहित के मुद्दे पर जांच शुरू कर दी है । पाकिस्तान से आया यह ड्रग्स ईरान में ले जाना था । तीन एजेंसियों ने पाकिस्तानी नाव को रोकने की कोशिश करने पर करोड़ों रुपये के हेरोइन के साथ सुबह ९ ईरानी ने खुद ही नाव में आग लगा दी थी और समुद्र में कूद गये थे । एजेंसियों ने ९ ईरानी आरोपियों को गिरफ्तार करके पूछताछ करने पर पाकिस्तान के हमीद मलिक ने यह कंसाइनमेन्ट भेजे जाने की जानकारी सामने आई है। एटीएस के अधिकारियों को जानकारी मिली थी कि, पोरंबदर के समुद्र से देर रात को एक नाव में करोड़ रुपये के ड्रग्स का कंसाइनमेन्ट ईरान में जाना है । एटीएस को मिली जानकारी के आधार पर उच्च अधिकारियों ने तटरक्षक बल और मरीन टास्कफोर्स को जानकारी दी गई थी । तीन एज ेंसियों ने देर रात से पोरबंदर के समुद्र में संयुक्त ऑपरेशन शुरू किया गया था । तटरक्षक बल की टीम तथा मरीन टास्कफोर्स की टीम एटीएस के अधिकारियों के साथ निगरानी में थे तब एक संदिग्ध नाव समुद्र में दिखाई दी थी । तटरक्षक बल की टीम तथा मरीन टास्कफोर्स की टीम ने नाव का पीछा किया था और इसे रोकने के लिए आदेश दिया था। नाव नहीं रूकने से तटरक्षक बल और मरीन टास्कफोर्स ने नाव को कोर्डन करके खड़ी रखी थी और नाव में बैठे सभी लोगों को सरेन्डर करने की सूचना दी गई थी।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, संपादक :- सुरेश मौर्या फोन नं. (9879141480) RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)